Shortage of Canal Water for Irrigation

362. Shri Balraj Kundu, M.L.A.: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that there is great shortage of canal water for irrigation in Meham Assembly Constituency; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to increase the availability of water through water conservation by constructing water storage dams on different places in the State ; if so, the details thereof?

Sh. Manohar Lal, Hon'ble Chief Minister, Haryana

(a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir, there is proposal under consideration of the Government for construction of 12 number small Dams in lower Shivalik Hills with tentative cost of Rs. 550.00 crore. The gross storage capacity of these dams will be about 30500 acre feet.

Additional Information
Unstarred Assembly Question No. 362

The irrigation commands of Meham Assembly Constituency is served by Kahanaur Distributary and Bhiwani Sub Branch which falls in the Butana+ Markanda Group of approved rotational program. A total of 26 off-takes fulfill the irrigation and drinking need of the Meham Assembly Constituency. Earlier Western Jamuna Canal (WJC) System was run in 4 groups of 8 days rotation but due to less storage of water in Bhakra Dam and less inflows in river Yamuna Government has switched over the existing 4 groups to 5 groups, resulting canal water comes after 32 days period but the available water is not sufficient to feed the tail ends of the channels, water works tanks and village ponds falling on the channels. With the available supply priority is given to feed the water works tanks and village ponds. Accordingly, Kahanaur Distributary runs for 4 days instead-of 8 days rotation and Bhiwani Sub Branch runs for next 4 days instead-of 8 days.

There is proposal under consideration of the Government for construction of 12 number small Dams namely Darpar Dam, Nagli Dam, Chikan Dam, Kansli Dam, Khillanwala Dam, Ambawali Dam, Lohgarh Dam, Dhanaura Dam, Bhud Dam, Khetpurali Dam, Dudhgarh Dam and Adi Badri Dam in lower Shivalik Hills. The gross storage capacity of these dams combined together will be about 30,500 acre feet. The tentative cost of construction of these dams will be about Rs. 550 crore. The Detailed Project Report (DPR) of most of these dams is under preparation. Further, there is a proposal of Government of India to construct 3 number dams namely Renuka Dam, Kishau Dam and Lakhwar Dam for storage of water in the State of Himchal Pardesh and Uttarkhand. These dams will be constructed in a phased manner in the next 10 years. After construction of these 3 Dams State of Haryana is likely to get about 1152 Cusec assured supply from Yamuna for about nine months, which can be utilized in the lean period.

सिंचाई के लिए नहरी पानी की कमी

362. श्री बलराज कुंडू, एम.एल.ए.: क्या मुख्य मंत्री कृपया बताएंगे कि :–

(क) क्या यह तथ्य है कि महम विधानसभा निर्वाचनक्षेत्र में सिंचाई के लिए नहरी पानी की भारी कमी है; तथा

(ख) क्या राज्य में विभिन्न स्थानों पर जल संचय बांधों का निर्माण करके जल संरक्षण के माध्यम से पानी की उपलब्धता बढ़ाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

श्री मनोहर लाल, माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा

(क) हॉ, श्रीमान जी।

(ख) शिवालिक पहाड़ियों के निचले हिस्से में 12 छोटे बांधों के निर्माण के लिए लगभग 550.00 करोड़ रू0 की लागत का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है। इन सभी बांधो की कुल भण्डारण क्षमता लगभग 30500 एकड़ फीट होगी।

अतिरिक्त सूचना
विधान सभा अतारांकित प्रश्न संख्या–362

महम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की सिंचाई कमांड की आपूर्ति कहानौर डिस्ट्रीब्यूटरी और भिवानी सब ब्रांच द्वारा की जाती है जो मंजूर रोटेशनल प्रोग्राम के बुटाना एवं मारकंडा समूह मे आता है। कुल 26 निकासियां, महम विधानसभा क्षेत्र की सिंचाई और पीने के पानी की जरूरत को पूरा करते है। पहले पश्चिम जमुना नहर (WJC) सिस्टम 4 समूहों में 8 दिनों के रोटेशन में चलाया जाता था, लेकिन भाखड़ा बांध में पानी के कम भंडारण और युमना नदी के कम प्रवाह के कारण मौजूदा 4 समूहों को 5 समूहों में बदल दिया गया, जिसके कारण नहर में पानी 32 दिनों की अवधि के बाद आता है, लेकिन उपलब्ध पानी चैनलों की टेल तक पानी पहुंचाने एवं चैनलों पर पड़ने वाले पानी के टैंक और गांव के तालाबों को भरने के लिए पर्याप्त नही पड़ता। उपलब्ध पानी के अनुसार पीने के पानी के टैंक और गांवों के तालाबों के भरने के लिए प्राथमिकता दी जाती है तदानुसार कहानौर डिस्ट्रीब्यूटरी 8 दिनों के बजाऐ 4 दिनों के लिए चलती है और भिवानी सब ब्रांच 8 दिनों के बजाऐ अगले 4 दिनों के लिए चलती है।

सरकार द्वारा निचली शिवालिक पहाडियों में 12 छोटे बांधों नामतः डारपर बांध, नगली बांध, चिकन बांध कांसली बांध, खिल्लनवाला बांध, अम्बावली बांध, लोहगढ़ बांध, घनौरा बांध, भूड बांध, खेतपुराली बांध, दूधगढ़ बांध और आदि बद्री बांध के निर्माण के प्रस्ताव पर विचार चल रहा है। कुल मिलाकर इन बांधों की सकल संग्रहण क्षमता लगभग 30,500 एकड़ फीट होगी। इन बांधों के निर्माण की अस्थायी लागत लगभग रू 550 करोड़ है। इनमें से अधिकांश बांधों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है। इसके इलावा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों में पानी के भंडारण के लिए रेणुका बांध, किशाऊ बांध और लखवार बांध जैसे 3 बांध बनाने का भारत सरकार का प्रस्ताव है। इन बांधों का निर्माण अगले 10 वर्षो में चरणबद्व तरीके से किया जाएगा। इन 3 बांधो के निर्माण के बाद हरियाणा राज्य को लगभग 9 महीनों के लिए यमुना से लगभग 1152 क्यूसिक सुनिश्चित सप्लाई प्राप्त होने की संभावना है जिसका उपयोग गैर–मानसून अवधि में किया जा सकता है।